

BEFORE THE NATIONAL GREEN TRIBUNAL

CENTRAL BENCH BHOPAL (M.P.)

ORIGINAL APPLICATION NO. 64/2020

IN THE MATTER OF:-

AADHYATMIK KSHTERA PRAYAVARAN SANSASTHAN-----APPLICANT

//VERSUS//

STATE OF RAJASTHAN AND ORS-----RESPONDENTS

FACTUAL REPORT FILED BY THE
DEPUTY FOREST CONSERVATOR
JODHPUR IN COMPLIANCE OF THE
ORDER PASSED BY THE HON'BLE
TRIBUNAL DATED 26/05/2022

माननीय
राष्ट्रीय हरित अधिकरण,
भोपाल (मध्य प्रदेश)

के समक्ष,

प्रकरण संख्या – ओ. ए. 64/2020

प्रार्थी- आध्यात्मिक क्षेत्र पर्यावरण संस्थान, जोधपुर

बनाम

अप्रार्थी – राजस्थान राज्य एवं अन्य

अनुपालना रिपोर्ट

महोदय ,

उपर्युक्त प्रकरण में निवेदन है कि माननीय अधिकरण द्वारा उपरोक्त प्रकरण आध्यात्मिक क्षेत्र पर्यावरण संस्थान, जोधपुर बनाम राजस्थान राज्य व अन्य में पारित आदेश दिनांक 26.05.2022. में प्रदत्त निर्देशों की अनुपालना का विवरण निम्नानुसार है:-

1. वन संरक्षण अधिनियम 1980 की धारा 2 तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रकरण गोदावरमन बनाम भारत संघ में प्रदत्त आदेश दिनांक 12.12.1996 की अनुपालना सुनिश्चित करने की कार्यवाही की जा रही है।
2. वनखण्ड बड़ाभाखर के मौजा गैवा के खसरा संख्या 885/2 की 27 बीघा 2 बिस्वा वनभूमि का राजस्व विभाग द्वारा वन विभाग के पक्ष में अमलदरामद कर दिया गया है। जमाबंदी की प्रति संलग्न है एवं इस भूमि की सुरक्षा एवं सीमांकन कार्यवाही की जा रही है।
3. वनखण्ड बड़ाभाखर के राजस्व मौजा गैवा का प्रमाणित नक्शा वर्तमान में न तो राजस्व विभाग के पास उपलब्ध है तथा न ही वन विभाग के पास उपलब्ध है। इस कार्यालय में उपलब्ध अप्रमाणित नक्शों की सहायता से किए गए मौजा निरीक्षण में प्रथम दृष्टतया एक शवदाह गृह का कुछ भाग (0.11 हैक्टेयर) वनक्षेत्र में आना पाया गया है। इस संबंध में क्षेत्रीय वन अधिकारी मण्डोर ने पत्रांक 501 दिनांक 14.07.2022 के जरिए आयुक्त नगर निगम, दक्षिण, जोधपुर को नोटिस जारी कर दिया गया है। आयुक्त नगर निगम, दक्षिण, जोधपुर से प्रत्युत्तर प्राप्त होना अपेक्षित है। इस शवदाह गृह का कोई भी भाग वनभूमि में आना प्रमाणित पाया जाता है तो आयुक्त, नगर निगम, दक्षिण, जोधपुर के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
4. उक्त वनभूमि में इस संरचना के अलावा कोई भी अतिक्रमण कारित नहीं पाया गया है तथा इस वनभूमि में किसी भी प्रकार के वन अपराध एवं अतिक्रमणों की रोकथाम के लिए वन अमले द्वारा सतत गश्त की जा रही है।

अनुपालना रिपोर्ट उपर्युक्तानुसार आप श्रीमान को सादर प्रस्तुत है।

उप वन संरक्षक,
जोधपुर

Handwritten notes at the top of the page.

Handwritten notes on the left side of the page.

Handwritten notes in the middle of the page.

Date	Time	Location	Activity	Remarks	Temperature		Remarks
					Inside	Outside	
10/10/20	10:00
10/11/20	10:00
10/12/20	10:00
10/13/20	10:00
10/14/20	10:00
10/15/20	10:00
10/16/20	10:00
10/17/20	10:00
10/18/20	10:00
10/19/20	10:00
10/20/20	10:00
10/21/20	10:00
10/22/20	10:00
10/23/20	10:00
10/24/20	10:00
10/25/20	10:00
10/26/20	10:00
10/27/20	10:00
10/28/20	10:00
10/29/20	10:00
10/30/20	10:00
10/31/20	10:00

Date	Time	Location	Activity	Remarks	Temp	Remarks
10/10/20	10:00
10/11/20	10:00
10/12/20	10:00
10/13/20	10:00
10/14/20	10:00
10/15/20	10:00
10/16/20	10:00
10/17/20	10:00
10/18/20	10:00
10/19/20	10:00
10/20/20	10:00
10/21/20	10:00
10/22/20	10:00
10/23/20	10:00
10/24/20	10:00
10/25/20	10:00
10/26/20	10:00
10/27/20	10:00
10/28/20	10:00
10/29/20	10:00
10/30/20	10:00
10/31/20	10:00

Handwritten signature or note at the bottom of the page.

कार्यालय क्षेत्रीय वन अधिकारी, मण्डोर वनगण्डल जोधपुर

क्रमांक/एफ/तकनीकी/

दिनांक :-

श्रीमान् आर्युक्त, महोदय
नगर निगम (दक्षिण), जोधपुर
नोटिस

(अन्तर्गत वन संरक्षण अधिनियम 1980 का उल्लंघन एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 12.12.96 की अवमानना करने के क्रम में)

विषय :- केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति के बिना आप द्वारा अधिसूचित वन क्षेत्र में गैर वानिकी कार्य करवाये जाने से वन संरक्षण अधिनियम 1980 का उल्लंघन एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 12.12.96 की अवमानना करने के क्रम में।

महोदय,

विषयान्तर्गत निवेदन है कि इस कार्यालय के अधीनस्थ निम्नांकित अधिसूचित वन क्षेत्र में आपके द्वारा निम्न विवरणानुसार गैर वानिकीय कार्य करवाया जा रहा है।

क्र.सं.	कार्यस्थल जानकारी बिन्दु	विवरण
1.	वनखण्ड का नाम	वनखण्ड बड़ाभाखर
2.	राजस्व मौजा व खसरा नम्बर	मौजा गेवा खसरा न. 885/2
3.	कार्य का विवरण	वनभूमि में वगैर सक्षम स्वीकृति के शवदाह गृह बनाना।

दिनांक 25.10.80 से राज्य में वन संरक्षण अधिनियम 1980 प्रभावशील है। इस अधिनियम की धारा 2 के अंतर्गत किसी भी अधिसूचित वनभूमि में गैर वानिकीय कार्य करवाये जाने से पूर्व अनारक्षण प्रस्ताव के मार्फत भारत सरकार से पूर्वानुमति प्राप्त किया जाना वैधानिक रूप से आवश्यक है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी प्रकरण गोदावरमन बनाम भारत संघ के प्रकरण में प्रदत्त निर्णय दिनांक 12.12.96 को यह उद्धरित किया है कि किसी भी अधिसूचित वनभूमि में गैर वानिकीय कार्य करवाये जाने से पूर्व अनारक्षण प्रस्ताव के मार्फत भारत सरकार से पूर्वानुमति प्राप्त किया जाना वैधानिक रूप से आवश्यक है। इस कार्य से राजस्थान वन (संशोधन) अधिनियम 2012 की धारा का भी उल्लंघन हो रहा है। यदि इस नोटिस के विरुद्ध आप अपना पक्ष प्रस्तुत करना चाहते हैं तो, विधि सम्मत दस्तावेजातों के साथ कार्यालय समय में उपस्थित होकर अपना पक्ष 03 दिवस में प्रस्तुत कर सकते हैं या इस गैर वानिकीय कार्य के संबंध में अनारक्षण प्रस्ताव के जरिए भारत सरकार से अनुमति प्राप्त करना सुनिश्चित करावे। यदि यह कार्य आप द्वारा नहीं करवाया गया है तो भी इस कार्यालय को सूचित करें।

शुभेच्छु

क्षेत्रीय वन अधिकारी
मण्डोर

क्रमांक: एफ() सम/ 502

दिनांक: 14/1/2022

प्रतिलिपि :- 1. श्रीमान् उप वन संरक्षक, जोधपुर की सेवा में प्रस्तुत कर निवेदन है कि आप श्रीमान् अपने स्तर से नियमानुसार कार्यवाही कराने का श्रम करावे।

क्षेत्रीय वन अधिकारी
मण्डोर